# सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी

# पाठ्यक्रम

## प्रथम वर्ष (B.A. Sanskrit 1st Year)

## 2026-27

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति

संस्कृत-विभाग

सरदार पटेल विश्वविद्यालय के अन्तर्गत   महाविद्यालय स्तर के लिए निर्धारित पाठ्क्रम

# First Year ( First & Second Semester), Equivalent to Certificate Course

| Course & Academic Level | Semester | Discipline Specific Core<br>Credits-4 | Discipline Specific Elective<br>(DSE) Credits-4 | Minor Courses<br>Credits-4 | Multidisciplinary courses<br>Credits-3 | Skill Enhance-ment courses Credits-3 | Ability Enhancement courses<br>Credits-2 | Internship/ Apprenticeship/Project/ Community Outreach (I/A/P/C) Credits-4 | Value Addition courses<br>(VAC) Credits-2 | Total Credits |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | I | DSC 1A<br>(BSKT-DSC-101)<br>संस्कृत काव्य<br>DSC 1B (To be chosen from unrelated discipline) | | MC 1<br>(BSKT-DSC-MC-101)<br>संस्कृत काव्य | MDC1<br>(BSKT-MDC-104)<br>श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) | SEC 1<br>(BSKT-SEC-102)<br>संस्कृत व्याकरण | AEC1<br>(BSKT-AEC-103)<br>नीति सहित्य | | | **20** |
| | II | DSC 2A<br>(BSKT-DSC-201)<br>संस्कृत नाटक<br>DSC 2B (To be chosen from unrelated discipline) | | MC 2<br>(BSKT-MC-201)<br>संस्कृत नाटक | MDC2<br>(BSKT-MDC-203)<br>***श्रीमद्भगवद्गीता (14 वाँ एवं 17वाँ अध्याय)*** | SEC 2<br>(BSKT-SEC-202)<br>**वेद एवं दर्शन** | | I/A/P/C-1<br>As per Guideline of SPU | VAC1<br>**(To be proposed by the Deptt. of Environment Science)** | **24** |
| **Level 4.5** | **Exit 1** | **Student on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study) after securing the requisite 44 Credits in Semester I and II** | | | | | | | | **44** |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)

**प्रथम सत्र-BSKT-DSC-101/BSKT-MC-101 संस्कृत काव्य**

**Discipline Specific Course (DSC-1A /DSC-1B)/Minor Course (MC-1)**

| समय: 03 घंटा | सत्रांत परीक्षा :70 | आंतरिक मूल्यांकन; 30 | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट-4; व्याख्यान-4; ट्यूटोरिअल-0 |
|---|---|---|---|---|

**नोट: दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।**

**(A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)**

- छात्र संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे ।
- पद्य साहित्य की संगीतात्मकता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे ।
- पद्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा
- संस्कृत-पद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध-वाचन का कौशल विकसित होगा।

**(B) Prescribed Course:**

| | | |
|---|---|---|
| **Section 'A'** | **संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| **Section 'B'** | **रघुवंशम् – प्रथमसर्ग (1 से 20 श्लोक)** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| **Section 'C'** | **किरातार्जुनीयम् - प्रथमसर्ग(1 से 20 श्लोक)** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| **Section 'D'** | **नैषधीयचरितम् – प्रथमसर्ग (1 से 20 श्लोक)** | **कुल क्रेडिट = 01** |

**(C) Unit-Wise Division:**

| | |
|---|---|
| | **Section 'A'**<br>**संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय** |
| **Unit: I** | महाकाव्य की उत्पति तथा उसका सामान्य परिचय |
| **Unit: II** | कालिदास, भारवि, श्रीहर्ष-इन कवियों का सामान्य परिचय। |
| | **Section 'B'**<br>**रघुवंशम्** |
| **Unit: I** | सर्ग-सामान्य परिचय व पद्य 1-10 तक सरलार्थ एवं व्याख्या । |
| **Unit: II** | सर्ग- 1 के पद्य 11-20 तक सरलार्थ एवं व्याख्या । |
| | **Section 'C'**<br>**किरातार्जुनीयम्** |
| **Unit: I** | सर्ग - 1 का सामान्य परिचय व पद्य 1-10 तक सरलार्थ एवं व्याख्या । |
| **Unit: II** | सर्ग- 1 के पद्य 11-20 तक सरलार्थ एवं व्याख्या। |
| | **Section 'D'**<br>**नैषधीयचरितम्** |
| **Unit: I** | सर्ग- 1 का सामान्य परिचय व पद्य 1-10 तक सरलार्थ एवं व्याख्या । |
| **Unit: II** | सर्ग – 1 के पद्य 11-20 तक सरलार्थ एवं व्याख्या । |

**(D) टिप्पणी** – सभी वर्गों से प्रश्न पछूना अनिवार्य है ।

## (E) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची



| | |
|---|---|
| 1. | रघुवंशम्, हिंदी-संस्कृत टीका सहित, आचार्य शेष शर्मा, रेग्मी,चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी । |
| 2. | रघुवंशम्, (प्रथम सर्ग) व्याख्याकार – महावीर शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ |
| 3. | किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) डा 0 राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद । |
| 4. | किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) डा 0 जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली । |
| 5. | नैषधीयचरितम् श्री हर्ष, डा0 देव नारायण मिश्र , साहित्य भण्डार मेरठ । |
| 6. | संस्कृत साहित्य का इतिहास, डा0 बलदेव उपाध्याय, हिन्दू विश्वविद्यालय,काशी - शारदा मंदिर बनारस । |



**Structure of Setting Paper, Assessment and Evaluation for Discipline Specific Core (DSE), Discipline specific Elective (DSE), Minor Course (MC), Multidisciplinary Course (MDC), Skill Enhancement Course (SEC), Ability Enhancement Course (AEC), Value Addition Course (VAC) and Add on Course (AOC)**

## सत्रान्त-परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा (DSC/MC ) *(Credits-04)*

| Maximum Marks Allotted | End-Semester Examination | Internal Assessment | Time Allotted |
|---|---|---|---|
| 100 Marks | 70 Marks | 30 Marks | 03:00 Hours |

**There will be 5 Sections (A, B,C,D,E) and the examiner shall set 9 questions in total from all the Sections (I, II, III, IV) in total and each question shall carry 14 marks.**

**DSC/MC पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट के है, इन पाठ्यक्रमों में चार खण्ड होंगे और सत्रान्त-परीक्षा के लिए प्रत्येक खण्ड से प्रश्न पूछना अनिवार्य है । Paper setter को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगे।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड –क** | प्रश्न-1 | इस प्रश्न के **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के Section-A से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 14 अंक निर्धारित होंगे । | **1x14 = 14** |
| **खण्ड –ख** | प्रश्न-2 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** पाठ्यक्रम के-Section B से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 14 अंक निर्धारित होंगे । | **1 x 14 =14** |
| **खण्ड –ग** | प्रश्न -3 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section C से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 14 अंक निर्धारित होगें । | **1x14 = 14** |
| **खण्ड –घ** | प्रश्न -4 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section D से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के14 अंक निर्धारित होगें । | **1x14 = 14** |
| **खण्ड – ङ** | प्रश्न -5 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section A,B,C,D से 10 छोटे प्रश्न संस्कृत भाषा में पूछे जाएंगे ,जिनमें से विद्यार्थियों को 7 प्रश्नों के उत्तर लिखने होगें । इन प्रश्नों के 14 अंक निर्धारित होगें । | **2x7= 14** |
| | | **कुल अंक** | **70** |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)
## द्वितीय सत्र- BSKT-DSC-201/BSKT-MC-201 संस्कृत नाटक
**Discipline Specific Course (DSC-2A /DSC-2B)/Minor Course (MC-2)**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| समय: 03 घंटा | सत्रांत परीक्षा :70 | आंतरिक मूल्यांकन;30 | पूर्णांक: 100 | क्रेडिट-4; व्याख्यान-4; ट्यूटोरियल-0 |

**नोट: दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।**

**(A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)**

- छात्र संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होगें ।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलंकारों से परिचित होंगें ।
- सम्वाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगें ।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगें ।

**(A) Prescribed Course:**

| | | |
|---|---|---|
| **Section 'A'** | संस्कृत नाटय साहित्य का परिचय | **कुल क्रेडिट = 01** |
| **Section 'B'** | स्वप्नवासवदत्तम | **कुल क्रेडिट = 01** |
| **Section 'C'** | स्वप्नवासवदत्तम | **कुल क्रेडिट = 01** |
| **Section 'D'** | स्वप्नवासवदत्तम | **कुल क्रेडिट = 01** |

**(B) Unit-Wise Division:**

| | |
|---|---|
| | Section 'A'<br>**संस्कृत नाटयसाहित्य का परिचय** |
| **Unit: I** | संस्कृत नाटकों का उद्‌भव व विकास क्रम |
| **Unit: II** | स्वप्नवासवदत्तम के रचयिता का सामान्य परिचय तथा स्वप्नवासवदत्तम की कथावस्तु |
| | Section 'B'<br>**स्वप्नवासवदत्तम** |
| **Unit: I** | प्रथम अंक के पद्यों का सरलार्थ एवं व्याख्या |
| **Unit: II** | द्वितिय अंक के पद्यों का सरलार्थ एवं व्याख्या |
| | Section 'C'<br>**स्वप्नवासवदत्तम** |
| **Unit: I** | तृतीय अंक के पद्यों का सरलार्थ एवं व्याख्या |
| **Unit: II** | चतुर्थ अंक के पद्यों का सरलार्थ एवं व्याख्या |

| | Section 'D'<br>**स्वप्नवासवदत्तम** |
|---|---|
| **Unit: I** | पञ्चम अंक के पद्यों का सरलार्थ एवं व्याख्या |
| **Unit: II** | षष्ठ अंक के पद्यों का सरलार्थ एवं व्याख्या, नाटक के पात्रों का परिचय |

**टिप्पणी –** सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

| (C) **सन्दर्भ ग्रन्थ सूची** | |
|---|---|
| 1. | स्वप्नवासवदत्तम – जयकृष्णदास हरिदास गुप्त , चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी, |
| 2. | स्वप्नवासवदत्तम –ज्ञानप्रकाशन संगीता अग्रवाल मेरठ , डा0 मेरठ |

## सत्रान्त-परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा

### (DSC/MC) ***(Credits-04)***

| **Maximum Marks Allotted** | **End-Semester Examination** | **Internal Assessment** | **Time Allotted** |
|---|---|---|---|
| 100 Marks | 70 Marks | 30 Marks | 03:00 Hours |

**There will be 5 Sections (A, B, C, D, E) and the examiner shall set 9 questions in total from all the Sections (I, II, III, IV) in total and each question shall carry 14 marks.**

**DSC/MC पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट के है, इन पाठ्यक्रमों में चार खण्ड होंगे और सत्रान्त-परीक्षा के लिए प्रत्येक खण्ड से प्रश्न पूछना अनिवार्य है । Paper setter को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगे ----**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड -क** | **प्रश्न** -1 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के Section-A से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे ,जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 14 अंक निर्धारित होंगे । | **1x14 = 14** |
| **खण्ड -ख** | **प्रश्न** -2 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section B से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 14अंक निर्धारित होंगे । | **1 x 14 =14** |
| **खण्ड –ग** | **प्रश्न** -3 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section C से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के14 अंक निर्धारित होगें । | **1x14 = 14** |
| **खण्ड –घ** | **प्रश्न** -4 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section D से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 14 अंक निर्धारित होगें । | **1x14 = 14** |
| **खण्ड - ङ** | **प्रश्** -5 | इस प्रश्न के अंतर्गत **DSC/MC** के पाठ्यक्रम के-Section A,B,C,D से 10 छोटे प्रश्न संस्कृत में पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को 7 **प्रश्नों** के उत्तर लिखने होंगें । इन प्रश्नों के 14 अंक निर्धारित होगें । | **2x7= 14** |
| | | **कुल अंक** | **70** |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)
## प्रथम सत्र-BSKT-SEC-102 संस्कृत व्याकरण
**Skill Enhancement Course (SEC-1)**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| समय: 02 घंटा | सत्रांत परीक्षा :50 | आंतरिक मूल्यांकन:25 | पूर्णांक : 75 | क्रेडिट-3; व्याख्यान-3; ट्यूटोरिअल-0 |

**नोट ; दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।**

**(A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)**

- छात्र संस्कृत व्याकरणशब्दों की सिद्धिपरक प्रक्रिया से परिचित होंगें I
- संस्कृत शब्द ज्ञान कोश में वृद्धि होगी ।
- संस्कृत व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से वाक्य संरचना कौशल का विकास होगा ।
- संस्कृत भाषा सीखने में स्वाभाविक अभिरुचि होगी ।

**(A) Prescribed Course:**

| | | |
|---|---|---|
| Section 'A' | **लघसिद्धान्तकौमुदी : संज्ञा प्रकरण (सूत्र सहित)** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section 'B' | **लघुसिद्धान्तकौमुदी : कारक प्रकरण (सूत्र सहित)** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section 'C' | **संस्कृत अनुवाद** | **कुल क्रेडिट = 01** |

**(B) Unit-Wise Division:**

| | |
|---|---|
| | **Section 'A'**<br>**लघुसिद्धान्तकौमुदी : संज्ञा प्रकरण (सूत्र सहित)** |
| **Unit: I** | लघुसिद्धान्तकौमुदी :- सामान्य परिचय , माहेश्वर एवं प्रत्याहार सूत्र |
| **Unit: II** | संज्ञाओं की सूत्र सहित व्याख्या ,उच्चारण स्थान ( सूत्र सहित) |
| | **Section 'B'**<br>**लघुसिद्धान्तकौमुदी : कारक प्रकरण (सूत्र सहित)** |
| **Unit: I** | कारकों का सामान्य परिचय; कर्ता ,कारकों की सूत्र सहित व्याख्या तथा करण कर्म |
| **Unit: II** | सम्प्रदान , अपादान सम्बन्ध ,तथा अधिकरण कारकों की सूत्र सहित व्याख्या |
| | **Section 'C'**<br>**संस्कृत अनुवाद** |
| **Unit: I** | संस्कृत अनुवाद |
| **Unit: II** | संस्कृत अनुवाद |

**हटप्पणी** - सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

| (C) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची | |
|---|---|
| 1. | लघुसिद्धान्त कौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ। चौखम्बा सुरभारती वाराणसी शास्त्री |
| 2. | लघुसिसद्धान्त कौमुदी,। भैमी प्रकाशन दिल्ली ,भीमसेन शास्त्री |
| 3. | संस्कृत व्याकरण-प्रवेशिका डा0 कपिल्देव द्विवेदी , मोतीलाल बनारसी दास ,दिल्ली ,वाराणसी। |
| 4. | वृहद अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास , वाराणसी। |

## सत्रान्त-परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा

## Skill Enhancement Course (SEC), (*Credits-03)*

| Maximum Marks Allotted | End-Semester Examination | Internal Assessment | Time Allotted |
|---|---|---|---|
| 75 Marks | 50 Marks | 25 Marks | 02:00 Hours |

**Skill Enhancement Course (SEC) There will be 4 Sections (A,B,C,D) and the examiner shall set 7 questions in total from all the Sections (I, II, III ) in total and in first three Sections (A,B,C) each question shall carry 12 marks and last section (D) shall carry 14 marks.**

**इस पाठ्यक्रम के क्रेडिट 03 इस पाठ्यक्रम में तीन खण्ड होंगे और सत्रान्तपरीक्षा के लिए प्रत्येक खण्ड से प्रश्न पूछना -** अनिवार्य है। Paper setter **को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगें।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड -क** | **प्रश्न** -1 | इस प्रश्न के अंतर्गात **Skill Enhancement Course (SEC)** के पाठ्यक्रम के Section-A से 2 प्रश्न पूछे जाएंर्गे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा ।इस प्रश्न के12 अंक निर्धारित होंगे। | **1x12 = 12** |
| **खण्ड -ख** | **प्रश्** -2 | इस प्रश्न केअंतर्गात **Skill Enhancement Course (SEC) के** पाठ्यक्रम के-Section B से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के12 अंक निर्धारित होंगे। | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –ग** | **प्रश्** -3 | इस प्रश्न के अंतर्गात **Skill Enhancement Course (SEC) के** पाठ्यक्रम के -Section C से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के12 अंक निर्धारित होंगे। | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –घ** | **प्रश्** -4 | इस प्रश्न के अंतर्गत **Skill Enhancement Course (SEC)** के पाठ्यक्रम केसभी खण्डों अर्थात्-Section A,B,C से 10 छोटे प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को 7 प्रश्नों उत्तर लिखने होगें। इन प्रश्नों के14 अंक निर्धारित होंगें। | **2x7= 14** |
| | | **कुल अंक** | **50** |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)
## द्वितीय सत्र- BSKT-SEC-202 वेद और दर्शन
### Skill Enhancement Course (SEC) 2

| समय; 02घंटा | सत्रांत परीक्षा | आंतरिक मूल्यांकन; 25 | पूर्णांक; 75 | क्रेडिट-3: व्याख्यान-3; ट्यूटोरियल-0 |
|---|---|---|---|---|

**नोट: दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा। ।**

## (A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)

- छात्र वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति से परिचित होंगे ।
- वेदोक्त सन्देशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा ।
- भारतीय दार्शनिक तत्व में अनुस्यतू गूढार्थ का बोध होगा ।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे ।

## (B) Prescribed Course:

| | | |
|---|---|---|
| Section ‘A’ | **वेदों का सामान्य परिचय** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section ‘B’ | **तर्क संग्रह** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section ‘C’ | **तर्क संग्रह** | **कुल क्रेडिट = 01** |

## (C) Unit-Wise Division:

| | |
|---|---|
| | **Section ‘A’ (वेद एवं सामान्य परिचय)** |
| **Unit: I** | वेदों का सामान्य पररचय |
| **Unit: II** | वेदांगों का सामान्य परिचय |
| | **Section ‘B’ (तर्कसंग्रह)** |
| **Unit: I** | तर्कसंग्रह- सप्तपदार्थों का सामान्य परिचय, |
| **Unit: II** | तर्कसंग्रह - द्रव्य-गुण-कर्म का लक्षण और उनके भेद-निरूपण । |
| | **Section ‘C’ (तर्कसंग्रह)** |
| **Unit: I** | तर्कसंग्रह-विशेष का लक्षण और उनके भेद-निरूपण । |
| **Unit: II** | तर्कसंग्रह समवाय-अभाव का लक्षण और उनके भेद-निरूपण। |

(D) **टिप्पणी-** सभी वगों से प्रश्न पछूना अनिवार्य है ।

| सन्दर्भ ग्रन्थ सूची | |
|---|---|
| 1. | वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय – डा0बलदेव उपाध्याय |
| 2. | वैदिक वाङ्मयेतिहास- आचार्या<br>जगदीश चन्द्र मिश्र , चौखम्बा सुरभारती वाराणसी। |
| 3. | वैदिक साहित्य और संस्कृति --चौखम्बा संस्कृत ,प्रतिष्ठान वाराणसी 2012 । |
| 4. | तकसंग्रह -- अन्नं भट्ट, सुरभारती प्रकाशन , चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी, २०१३ । |
| 5. | तकसंग्रह-गोविन्दाचार्या सुरभारती प्रकाशन , चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी, २०१३ । |

## सत्रान्त-परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा

## Skill Enhancement Course (SEC), *(Credits-03)*

| Maximum Marks Allotted | End-Semester Examination | Internal Assessment | Time Allotted |
|---|---|---|---|
| 75 Marks | 50 Marks | 25 Marks | 02:00 Hours |

**Skill Enhancement Course (SEC) There will be 4 Sections (A,B,C,D) and the examiner shall set 7 questions in total from all the Sections (I, II, III ) in total and in first three Sections (A,B,C) each question shall carry 12 marks and last section (D) shall carry 14 marks.**

**इस पाठ्यक्रम के क्रे डि ट है 03 इस पाठ्यक्रम में तीन खण्ड होंगें और सत्रान्तपरीक्षा के लिए प्रत्येक खण्ड से प्रश्न पूछना - अनिवार्य है। Paper setter को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगें।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड -क** | **प्रश्न -1** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Skill Enhancement Course (SEC) के** पाठ्यक्रम केSection-A से 2 प्रश्न पूछे जाएंगें , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के **12** अंक निर्धारित होंगें । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड -ख** | **प्रश्न -2** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Skill Enhancement Course (SEC) के** पाठ्यक्रम के-Section B से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के**12** अंक निर्धारित होगें । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –ग** | **प्रश्न -3** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Skill Enhancement Course (SEC) के** पाठ्यक्रम के-Section C से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के **12** अंक निर्धारित होगें । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –घ** | **प्रश्न-4** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Skill Enhancement Course (SEC) के** पाठ्यक्रम के सभी खण्डों अर्थात्-Section A,B,C से 10 छोटे प्रश्न पूछे जाएगें , जिनमें से विद्यार्थियों को **7** प्रश्नों के उ त्त र लिखने होंगें । इन प्रश्नों के**14** अंक निर्धारित होंगें । | **2x7= 14** |
| | | **कुल अंक** | 50 |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)

**प्रथम सत्र BSKT-MDC-104 श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)**

**Multidisciplinary Course (MDC-1)**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| समय: 02 घंटा | सत्रांत परीक्षा :50 | आंतरिक मूल्यांकन:25 | पूर्णांक : 75 | क्रेडिट-3; व्याख्यान-3; ट्यूटोरिअल-0 |

**नोट: दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।**

## (A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)

- छात्र श्रीमद्भगवद्गीता के मलू तत्व को जान सकेंगे।
- श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान सृष्टि कल्याणार्थ छात्रों में भाव विकसित होंगे ।
- आधुनिक जीवन शैली में गीता की प्रासंगिकता के बोध का ज्ञान होगा ।
- श्रीमद्भगवद्गीता के दार्शनिक महत्त्व से भली-भांति अवगत हो सकेंगे ।

## (B) Prescribed Course:

| | | |
|---|---|---|
| Section 'A' | श्रीमद्भगवदगीता | कुल क्रेडिट = 01 |
| Section 'B' | श्रीमद्भगवदगीता | कुल क्रेडिट = 01 |
| Section 'C' | श्रीमद्भगवदगीता | कुल क्रेडिट = 01 |

## (C) Unit-Wise Division:

| | |
|---|---|
| | **Section 'A' (श्रीमद्भगवदगीता)** |
| **Unit: I** | द्वितीय अध्याय<br>श्लोक 1 से 12 तक पदों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| **Unit: II** | द्वितीय अध्याय<br>श्लोक 13 से 24 तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| | **Section 'B' (श्रीमद्भगवद्गीता)** |
| **Unit: I** | द्वितीय अध्याय<br>श्लोक 25 से 36 तक पदों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| **Unit: II** | द्वितीय अध्याय<br>श्लोक 37 से 48 तक पदों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| | **Section 'C' (श्रीमद्भगवद्गीता)** |
| **Unit: I** | द्वितीय अध्याय<br>श्लोक 49 से 60 तक पदों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| **Unit: II** | द्वितीय अध्याय<br>श्लोक 61 से 72 तक पदों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |

**टिप्पणी** - सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है ।

## सन्दर्ष ग्रन्थ सूची


| | |
|---|---|
| 1. | श्रीमद्‌भगवद्गीता राधाकृष्णन, सरस्वती , जी.टी, रोड़, दिलशाद गार्डन -दिल्ली। |
| 2. | श्रीमदभगवद्गीता, संजीवनी टीका, गीता प्रैस - गोरखपुर । |
| 3. | श्रीमद्भगवगीता असली लाहौरी , रणधीर प्रकाशन , हरिद्वार , 1998. |
| 4. | श्रीमदभगवद्गीता– शांकरभाष्य , गीताप्रेस , गोरखपुर, 1955. |
| 5. | गीता रहस्य - तलक लोकमान्य , बालगंगाधर , मोतीलाल बनारसीदास , मुम्बई , 1975. |


## सत्रान्त परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा-(MDC)

| Maximum Marks Allotted | End-Semester Examination | Internal Assessment | Time Allotted |
|---|---|---|---|
| 75 Marks | 50 Marks | 25 Marks | 02:00 Hours |

**Multidisciplinary Course (MDC)- There will be 4 Sections (A,B,C,D) and the examiner shall set 7 questions in total from all the Sections (I, II, III ) in total and in first three Sections (A,B,C) each question shall carry 12 marks and last section (D) shall carry 14 marks.**

**इस पाठ्यक्रम के 03 क्रेडिट है इस पाठ्यक्रम में तीन खण्ड होंगें और सत्रान्त परीक्षा के लिए प्रत्येक खण्ड से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।Paper setter को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगें**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड -क** | **प्रश्न -1** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)*** के पाठ्यक्रम के Section-A से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे ,जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के 12 अंक निर्धारित होंगें । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड -ख** | **प्रश्न -2** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)*** के पाठ्यक्रम के- Section B से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 12 अंक निर्धारित होंगें | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –ग** | **प्रश्न-3** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)*** के पाठ्यक्रम के - Section C से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के12 अंक निर्धारित होंगे । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –घ** | **प्रश् -4** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)* *के*** पाठ्यक्रम के सभी खण्डों अर्थात्-Section A,B,C से 10 छोटे प्रश्न पूछे जाएंगे , ड जिनमें से विद्यार्थियों को **7 प्रश्नों के** उत्तर लिखने होंगें । इन प्रश्नों के14अंक निर्धारित होंगें। | **2x7= 14** |
| | | **कुल अंक** | **50** |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)
## द्वितीय सत्र- BSKT-MDC-203 श्रीमद्भगवद्गीता (14वाँ एवं 17वाँ-अध्याय )
**Multidisciplinary Course (MDC)** 2

| समय: 02 घंटा | सत्रांत परीक्षा :50 | आंतरिक मूल्यांकन:25 | पूर्णांक: 75 | क्रेडिट-3; व्याख्यान-3; ट्यूटोरिअल-0 |
|---|---|---|---|---|

**नोट: दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेब) 2020 के नियमानुसार होगा। ।**

**(A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)**

- छात्र श्रीमद्भगवद्गीता के मलू तत्व को जान सकेंगे।
- श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान सृष्टि कल्याणार्थ छात्रों में भाव विकसित होंगे ।
- आधुनिक जीवन शैली में गीता की प्रासंगिकता के बोध का ज्ञान होगा ।
- श्रीमद्भगवद्गीता के दार्शनिक महत्त्व से भली-भांति अवगत हो सकेंगे I

**(A)Prescribed Course:**

| | | |
|---|---|---|
| Section ‘A’ | **श्रीमद्भगवद्गीता** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section ‘B’ | **श्रीमद्भगवद्गीता** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section ‘C’ | **श्रीमद्भगवद्गगीता** | **कुल क्रेडिट = 01** |

**(B)Unit-Wise Division:**

| | Section ‘A’ **श्रीमद्भगवद्गीता** |
|---|---|
| **Unit: I** | चतुर्दश अध्याय<br>गीता का सामान्य परिचय तथा चतुर्दश अध्याय का सार , श्लोक **01 से 05** तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| **Unit: II** | चतुर्दश अध्याय<br>श्लोक **06 से 15** तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| | Section ‘B’ (**श्रीमदभगवद्गीता** ) |
| **Unit: I** | चतुर्दश अध्याय<br>श्लोक **16 से 27** तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| **Unit: II** | सप्तदश अध्याय<br>सप्तदश अध्याय का सार , श्लोक **01 से 06** तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| | Section ‘C’ (**श्रीमद्भगवद्गीता** ) |
| **Unit: I** | सप्तदश अध्याय<br>श्लोक **07 से 17** तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |
| **Unit: II** | सप्तदश अध्याय<br>श्लोक **18 से 28** तक पद्यों का सरलार्थ तथा व्याख्या । |

**टिप्पणी** - सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है ।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**


| | |
|---|---|
| 1. | श्रीमद्भगवद्गीता, राधाकृष्णन, सरस्वती विहार, जी.टी, रोड़, दिलशाद गार्डन -दिल्ली। |
| 2. | श्रीमद्भगवद्गीता, संजीवनी टीका, गीता प्रैस - गोरखपुर ।हरिद्वार |
| 3. | श्रीमद्भगवद्गीता, असली लाहौरी , रणधीर प्रकाशन , हरिद्वार, 1998. |
| 4. | श्रीमद्भगवद्गीता– शांकरभाष्य , गीताप्रेस ,गोरखपुर , 1955. |
| 5. | गीता रहस्य - तिलक लोकमान्य , बालगंगाधर , मोतीलाल बनारसीदास, मुम्बई , 1975. |


## सत्रान्त परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रशनों की रूपरेखा-(MDC)

## Multidisciplinary Course -2*(Credits-03)*

| Maximum Marks Allotted | End-Semester Examination | Internal Assessment | Time Allotted |
|---|---|---|---|
| 75 Marks | 50 Marks | 25 Marks | 02:00 Hours |

**Multidisciplinary Course (MDC)- There will be 4 Sections (A,B,C,D) and the examiner shall set 7 questions in total from all the Sections (I, II, III ) in total and in first three Sections (A,B,C) each question shall carry 12 marks and last section (D) shall carry 14 marks.**

**इस पाठ्यक्रम के 03 क्रेडिट है इस पाठ्यक्रम में तीन खण्ड होंगे और सत्रान्तपरीक्षा केलिए प्रत्येक खण्ड से प्रश्न- पूछना अनिवार्य है। Paper setter को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगें** ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड -क** | **प्रश्न 1 -** | इस प्रश्न केअंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)* के** पाठ्यक्रम के Section-A से 2प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रश्न के 12अंक निर्धारित होंगें । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड -ख** | **प्रश्न-2** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)* के** पाठ्यक्रम के-Section B से 2प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 12 अंक निर्धारित होगें । | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –ग** | **प्रश्न -3** | इस प्रश्न केअंतर्गत**Multidisciplinary Course*(MDC)* के** पाठ्यक्रम के -Section C से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को **एक** प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 12अंक निर्धारित होगें। | **1x12 = 12** |
| **खण्ड –घ** | **प्रश्न -4** | इस प्रश्न के अंतर्गत **Multidisciplinary Course*(MDC)* के** पाठ्यक्रम के सभी खण्डों अर्थात्-Section A,B,C से 10 छोटे प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को **7 प्रश्नों** के उत्तर लिखने होगें । इन प्रश्नों के14 अंक निर्धारित होगें। | **2x7= 14** |
| **कुल अंक** | | | **50** |

# प्रथम वर्ष
# (सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)
## प्रथम सत्र BSKT-AEC-103 नीति साहित्य
**Ability Enhancement Course (AEC-1)**

**नोट: दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्विद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा। ।**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| समय: 01:30 घंटा | सत्रांत परीक्षा :35 | आंतरिक मूल्यांकन:15 | पूर्णांक : 50 | क्रेडिट-2; व्याख्यान-2; ट्यूटोरिअल-0 |

**(A) Course Objectives & Learning Outcomes (पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं अधिगम प्रतिफल)**

- छात्र पञ्चतन्त्र की रोचक कथाओं के अध्ययन के लिये प्रेरित होंगे ।
- रोचक कथाओं के अध्ययन के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास होगा ।
- नीतिशतक के चयनितांश के अध्ययन से छात्रों का नैतिक विकास होगा ।
- संस्कृतसाहित्य में निहित नैतिक मूल्यों से जीवन को सफल बनायेंगे।

## (B) Prescribed Course:

| | | |
|---|---|---|
| Section 'A' | **पञ्चतन्त्रम्** | **कुल क्रेडिट = 01** |
| Section 'B' | **नीतिशतकम्** | **कुल क्रेडिट = 01** |

## (C) Unit-Wise Division:

| | |
|---|---|
| | **Section 'A'**<br>**पञ्चतन्त्रम्** |
| **Unit: I** | निम्नलिखित कथाओं का सामान्य परिचय तथा इन कथाओं का मनोवैज्ञानिक प्रभाव ।<br>(क्षपणककथा सिंह-कारक-मूर्खब्रह्मणकथा , |
| **Unit: II** | (वानर-मकर-कथा तथा गंगदत्तमण्डूक कथा) |
| | **Section 'B'**<br>**नीतिशतकम्** |
| **Unit: I** | सरलार्थ व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर हेतु अपेक्षित हैं। नीतिशतकम् का परिचय, पद्य 01 से 10 तक सरलार्थ । |
| **Unit: II** | पद्य 11 से 20 तक सरलार्थ। |

(D)**टिप्पणी** - सभी गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**


| | |
|---|---|
| 1. | पञ्चतन्त्र, डा० श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |
| 2. | नीतिशतकम् वि मलासंस्कृत - हि न्दी टीका व्याख्या युक्त डा .श्रीकृष्ण मणि त्रि पा ठी । चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी । |

# सत्रान्त-परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा

## Ability Enhancement Course (AEC), *(Credits; 02)*

| Maximum Marks Allotted | End-Semester Examination | Internal Assessment | Time Allotted |
|---|---|---|---|
| 50 Marks | 35 Marks | 15 Marks | 01:30 Hours |

**There will be 3 Sections (A, B, C) and examiner shall set 5 questions from both the Sections (I, II) in total and each question shall carry 10 marks.**

Ability Enhancement Course (AEC) **इन पाठ्यक्रम के 02 क्रेडिट है, इन सभी पाठ्यक्रमोां में तीन खण्ड होंगें और सत्रान्त-परीक्षा के लिए प्रत्येक खण्ड (Section-A, B) से प्रश्न पूछना अनिवार्य है । Paper setter को निम्नलिखित तरीके से पेपर set करने होंगें----**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्ड -क** | **प्रश्न** 1 - | इस प्रश्न के अंतर्गत **Ability Enhancement Course (AEC)** केपाठ्यक्रम के Section-A से 2 प्रश् पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को **एक प्रश्न** का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न्न के 10 अंक निर्धारित होगें । | **1x10 = 10** |
| **खण्ड -ख** | **प्रश्न**-2 | इस प्रश्न के अंतर्गत **Ability Enhancement Course (AEC), के** पाठ्यक्रम के Section B से 2 प्रश्न पूछे जाएंगे , जिनमें से विद्यार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा । इस प्रश्न के 10 अंक निर्धारित होगें । | **1x10 = 10** |
| **खण्ड –ग** | **प्रश्न**-3 | इस प्रश्न के अंतर्गत **Ability Enhancement Course के** पाठ्यक्रम के Section-A, B से 07 प्रश्न संस्कृत भाषा में पूछे जाएंगे जिनमें से विद्यार्थियों को 05 प्रश्नों के उत्तर लिखने होगें । इस प्रश्न के 10 अंक निर्धारित होगें । | **3x5= = 15** |
| | | **कुल अंक** | **35** |